हस्तिनापुर के आंचल में बसा तीर्थ चन्द्रांचल महलका

गंगा जमुना के बीच की स्वर्ण भूमि जहाँ भगवान ऋषभदेव, शान्तिनाथ, कुन्थुनाथ, अरहनाथ, मल्लिनाथ, पार्श्वनाथ और महावीर का विहार हुआ ऐसे मेरठ जिले में हस्तिनापुर के आंचल में बसा है महलका। भगवान चन्द्रप्रभु की अतिशयकारी भूगर्भ से प्राप्त, अति प्राचीन प्रतिमा की स्थापना से पावन इस भूमि का अतिशय निराला है।

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र महलका पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में हस्तिनापुर से मात्र 30 किमी. की दूरी पर स्थित है। भगवान चन्द्रप्रभु की अतिशयकारी अति प्राचीन भूगर्भ से प्राप्त प्रतिमा यहाँ विराजमान है।

सन् 1857-58 में सरधना में नहर की खुदाई के दौरान प्राप्त प्रतिमा को जब जैन धर्मावलम्बी बैलगाड़ी से हस्तिनापुर ले जा रहे थे तो रात्रि विश्राम के लिए उन्हें महलका ग्राम में रुकना पड़ा। यहाँ प्राचीन श्री पार्श्वनाथ भगवान का चैत्यालय था। रात्रि विश्राम के बाद जब वे चलने लगे तो बैलगाड़ी टस-से-मस नहीं हुई। बैलगाड़ी चलाने के प्रयास में पूरा दिन निकल गया लेकिन सफलता नहीं मिली। अत: फिर रात्रि विश्राम वहीं करना पड़ा। रात्रि में दल के एक सदस्य को स्वप्न आया कि मूर्ति यहीं प्रतिष्ठित कराओ। तब मूर्ति को महलका में ही स्थापित करने का निर्णय लिया गया।

भाग्य का पिटारा खुला- महलका में चन्द्रप्रभु भगवान की प्रतिमा स्थापित होते ही महलकावासियों के भाग्य का पिटारा खुल गया। आज महलकावासी देश के विभिन्न शहरों में जहाँ भी हैं, बड़े सम्पन्न और खुशहाल हैं। ग्रामवासियों ने भगवान का भव्य मंदिर बनाने का संकल्प लिया और 95 फुट उत्तुंग शिखर बनवाकर भगवान को स्थापित किया गया। सन् 1971 में भव्य पंच कल्याणक कराये गये थे। सुरेन्द्र कुमार जैन हीरो होण्डा वालों मेरठ का कहना है कि भगवान चन्द्रप्रभु का ऐसा अतिशय है कि इस दरबार से कभी भी कोई खाली हाथ नहीं लौटा है। सबको यहाँ मुंह मांगी मुराद मिलती है।

आचार्य श्री बाहुबली सागरजी का आशीर्वाद- आचार्य श्री बाहुबली जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से तीर्थ पर भारी प्रगति हुई है तथा मंदिर का पूरा कायाकल्प हो गया है। आचार्य श्री ने मानस्तम्भ के निर्माण का आदेश दिया तो कमेटी वाले सोच में पड़ गये कि धन की व्यवस्था कैसे होगी? लेकिन बाबा की कृपा से दिल्ली निवासी एक दाता ने अपना नाम गुप्त रखने की शर्त पर मानस्तम्भ निर्माण की घोषणा भी कर दी।

29 जून, 2006 को आचार्य श्री बाहुबली सागरजी महाराज के ससंघ सान्निध्य में मानस्तम्भ में प्रतिमाओं की प्रतिष्ठा भव्य स्तर पर कराई गई तथा उसी दिन आचार्य श्री ने घोषणा की कि मंदिर जी में चार शिखरों का निर्माण और कराया जायेगा जिनमें रत्नों की प्रतिमाएं स्थापित होंगी। आचार्य श्री के श्रीमुख से यह बात निकलते ही मात्र दो मिनट में दान दाताओं ने सभी घोषणाओं की स्वीकृति प्रदान कर दी। क्षेत्र पर निरन्तर विकास कार्य चल रहा है। अभी दो मकान और खरीदकर पीछे की भूमि का विस्तार भी किया गया है।

बाबा का चमत्कार- यहाँ समय-समय पर अनेकों चमत्कार हुए हैं। कभी छत्र का हिलना, कभी मंदिर से घुंघरुओं की आवाज आना और कभी केशर की वर्षा आदि। अनेक सन्तों का मंगल आगमन क्षेत्र पर होता रहता है।

वार्षिक रथयात्रा- क्षेत्र पर पिछले सात वर्ष से निरन्तर वार्षिक रथयात्रा का आयोजन किया जा रहा है।

वैसे मंदिर निर्माण के समय से ही प्रत्येक वर्ष भादो माह में अनन्त चतुर्दशी के दिन श्री जी की पालकी निकलती है। समय के साथ-साथ पालकी का भव्य रूप होता गया और यह यात्रा रथयात्रा के रूप में निकलने

लगी। मंदिर कमेटी के प्रधान सुखदीश प्रसाद जैन ने बताया किा महलका में जमीदारा, जैन परिवारों का ही रहा लाला मुन्नालाल जैन मुस्मात मिश्री व इनके पुत्र उग्र सेन जैन एवं इनके पुत्र जगदीश प्रसाद जैन, आदीश प्रसाद जैन, सुखदीश प्रसाद जैन एवं मूलचन्द जैन हैं, इसके नाम पर ग्राम मिश्रीपुरा भी बसाया गया है।

जैन इण्टर कॉलिज- यहाँ बच्चों को धार्मिक शिक्षा देने के लिए एक संस्था की स्थापना भी की गई जो समय के साथ 1960 में जूनियर हाई स्कूल में परिवर्तित हो गई। अब यह संस्थान जैन इण्टर कॉलिज के रूप में विद्यमान है जिसके अध्यक्ष लाला आदीश प्रसाद जैन के सुपुत्र प्रभाष चन्द जैन पल्लवपुरम मेरठ हैं।

क्षेत्र स्थिति- श्री 1008 चन्द्रप्रभु अतिशय क्षेत्र महलका उत्तर प्रदेश में जिला मेरठ मुख्यालय से 27 किमी. देरी पर स्थित है। महलका जाने के लिए प्रात: 10.00 बजे से सायं 5.00 तक मवाना बस स्टैण्ड से बसें मिलती रहती हैं। इसके अलावा दिल्ली, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर रेल लाइन पर सकोती टाण्डा रेलवे स्टेशन पड़ता है। सकोती टाण्डा रेलवे स्टेशन से महलका मंदिर 9 किमी. पूरब दिशा में स्थित है। यहाँ से घोड़े-तांगे, जीप व बस द्वारा भी पहुँचा जा सकता है। ग्राम महलका राष्ट्रीय राजमार्ग 58 पर दिल्ली-हरिद्वार मार्ग पर सकौती से 6 किमी. दूरी पर स्थित है। दिल्ली से महलका की दूरी 90 किमी. है।

बरनावा जैन मंदिर से महलका जैन मंदिर 38 किमी., बड़ा गांव जैन मंदिर से महलका जैन मंदिर 81 किमी. , वहलना जैन मंदिर से महलका जैन मंदिर 40 किमी. तथा हस्तिनापुर जैन मंदिर से महलका जैन मंदिर 30 किमी. की दूरी पर स्थित है।

सम्पर्क मंदिर जी- 0123728550, 9927032248

संजय जैन महलका वाले मेरठ- 9897785933

-नवनीत जैन